राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राजभवन में पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस मनाया गया

राज्यपाल ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी

पश्चिम बंगाल साहित्य, संगीत और कलाओं की समृद्ध धरा–राज्यपाल

जयपुर, 20 जून। राजभवन में गुरुवार को पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस मनाया गया। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने इस दौरान पश्चिम बंगाल के स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनसे संवाद किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के सतत विकास और समृद्धि की कामना करते हुए स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल श्री मिश्र ने कहा कि पश्चिम बंगाल साहित्य, संगीत और कलाओं की दृष्टि से ही संपन्न प्रदेश नहीं है बल्कि आजादी आंदोलन के क्रांतिकारियों की भी यह पुण्य धरा रही है। उन्होंने स्वामी रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद से जुड़े रोचक किस्से भी साझा किए। उन्होने कहा कि रामकृष्ण परमहंस मानवता के अप्रतिम उदाहरण है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रखर व्यक्तित्व और शिकागो के धर्म सम्मेलन में उनकी रही भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने इस अवसर पर पश्चिम बंगाल को भारत की गौरव भूमि बताते हुए कहा कि विश्व कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर, बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय, आजाद हिंद फौज बनाने वाले सुभाष चन्द्र बोस, क्रांतिकारियों के आध्यात्मिक गुरु अरबिंदो घोष, महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु, महान फिल्म निर्माताकृनिर्देशक सत्यजीत राय आदि इसी धरती के रहे हैं और उन्होंने विश्व भर में भारत को गौरवान्वित किया।

श्री मिश्र ने कहा कि राजभवन में राज्यों के स्थापना दिवस मनाने की अर्थ ही है, श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश की संकल्पना से जनकृजन को जोड़ना। उन्होने कहा कि बंगाल ने ही रवीन्द्रनाथ टैगोर का राष्ट्रगान श्जन गण मनश हमें सौंपा तो राष्ट्रगीत श्वन्दे मातरम्श की रचना भी बंगाल के ही बंकिमचन्द्र ने की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल ने ही सबसे पहले ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ क्रांतिकारियों की फौज खड़ी की। स्वदेशी आंदोलन के बाद बंगाल में क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का सूत्रपात हुआ।

उन्होंने पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस पर महान शिक्षाविद और चिंतक श्री श्यामाप्रसाद मुखर्जी को भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल का आज जो स्वतंत्र स्वरूप हमें दिखाई दे रहा है, उसमें बहुत बड़ी भूमिका श्यामाप्रसाद मुखर्जी की ही रही है। आरंभ में पश्चिम बंगाल के कलाकारों ने श्आमार राष्ट्र भूमिश के संगीतमय गान से बंगाल की धरती में समाए भारतीय गौरव को साकार किया। समारोह में राजभवन में जनजाति कल्याण विभाग की निदेशक श्रीमती कविता सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। आरंभ में उन्होंने संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

———

स्वस्थ तन और स्वस्थ मन के लिए यौगिक दिनचर्या अपनाने का किया आह्वान

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राज्यपाल की बधाई और शुभकामनाएं

जयपुर, 20 जून। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) की बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि योग भारत की महान संस्कृति है। यह दिवस विश्वभर को भारत की महान परंपरा से साक्षात् करने का पावन पर्व है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां सबसे पहले महर्षि पतंजलि ने विभिन्न ध्यानपारायण अभ्यासों को सुव्यवस्थित कर योग सूत्रों को संहिताबद्ध किया था। पंतजलि, जैमिनी आदि ऋषि–मुनियों ने बाद में इसे सबके लिए सुलभ कराया। मैं यह मानता हूं कि योग अपने भीतर की शक्तियों को जानने, उन्हें काम में लेने और अंतर्मन से साक्षात्कार से जुड़ी आदर्श जीवन पद्धति है।

राज्यपाल ने स्वस्थ तन और स्वस्थ मन के लिए यौगिक दिनचर्या अपनाते हुए आदर्श और उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ी इस महान परम्परा कें संरक्षण और विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया है।

————

राज्यपाल ने जन्म दिन पर राष्ट्रपति को बधाई और शुभकामनाएं दी

जयपुर, 20 जून। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को उनके जन्मदिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी है।

श्री मिश्र ने जन्म दिन पर श्रीमती मुर्मु के स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की कामना करते हुए कहा कि राष्ट्र के लिए सतत ऊर्जावान रहते उनका समर्पित जीवन प्रेरित करने वाला है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध उनका नेतृत्व राष्ट्र को गौरवान्वित करने वाला है।

———————

राजभवन, राजस्थान
पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस स
दिनांक 20 जून, 2024

राजभवन, राजस्थान
पश्चिम बंगाल स्थापना दिवस समारोह